भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 950

जिसका उत्तर सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक) को दिया गया

बीमा कंपनियों में सरकार द्वारा पूंजी निवेश

950. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन राष्ट्रीय बीमा कंपनियों का ब्यौरा क्या है जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी;

(ख) ओरिएंटल, नेशनल और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी निजी क्षेत्र की अपनी समकक्ष कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर पाने में सक्षम क्यों नहीं हैं;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार ने ओरिएंटल, नेशनल और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को क्रमश: 2019-20 में 2,500 करोड़ रुपए, 2020-21 में 9,950 करोड़ रुपए और 2021-22 में 5,000 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्ष-दर-वर्ष इतनी बड़ी मात्रा में पूंजी निवेश के क्या कारण हैं; और

(ड.) क्या सरकार की इन कंपनियों को लाभ अर्जित करने वाली कंपनी बनाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ड.): इरडाई ने तीन पीएसजीआईसी नामत: नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में पूंजी निवेश की सिफारिश की ताकि ऋण शोधन क्षमता को पुन: नियंत्रण स्तर तक लाया जा सके। तदनुसार, उनकी वित्तीय और शोधन क्षमता की स्थिति में सुधार करने के लिए भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित ब्यौरे के अनुसार पूंजी लगाई गई थी:-

(करोड़ रुपए में)

वित्तीय वर्ष	एनआईसीएल	ओआईसीएल	यूआईआईसीएल	कुल
2019-20	2,400	50	50	2,500
2020-21	3,175	3,170	3,605	9,950
2021-22	3,700	1,200	100	5,000
	9,275	4,420	3,755	17,450

कंपनियों ने अपनी लाभप्रदता को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, कंपनी और कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन संकेतकों (केपीआई) को अपनाना, अपनी आईटी क्षमताओं को बढ़ाना, नए उत्पादों को आरंभ करना, हामीदारी और दावा आदि के लिए केंद्रीकृत हब स्थापित करना शामिल हैं। ऐसे उपायों के परिणामस्वरूप, कंपनियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होना आरंभ हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र की चार साधारण बीमा कंपनियां (पीएसजीआई), कृषि बीमा कंपनी और जीआईसी री का संयुक्त लाभ वित्तीय वर्ष 2022-23 की 3529 करोड़ रुपए (लगभग) के नुकसान की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7558 करोड़ रुपए हैं।
स्रोत : कंपनियों के वार्षिक वित्तीय विवरण

*****